



बेटे और भानजे के सेक्सी कारनामे देख पति से चुदी

“मेरा बेटा और भानजा एक दूसरे का लंड सहलाते,
मुठ मारते थे. पर मैंने उन्हें ऐसा करते देखा नहीं था.
मैंने अपने बेटे से ये सब देखने की इच्छा व्यक्त की तो

”

... ..

Story By: सोनाली गुप्ता (sizzlingsona)

Posted: Saturday, May 9th, 2020

Categories: [इंडियन बीवी की चुदाई](#)

Online version: [बेटे और भानजे के सेक्सी कारनामे देख पति से चुदी](#)

बेटे और भानजे के सेक्सी कारनामे देख पति से चुदी

📖 यह कहानी सुनें

मेरी पिछली पारिवारिक चुदाई की कहानी

मौसी की चुदाई :

मैं आपने पढ़ा कि उत्तेजनावश किस तरह रोहित ने मेरी जांघों को चोद कर अपने लण्ड को शांत किया।

अब आगे :

कुछ देर बाद जब डोरबेल बजी तो मेरी नींद खुल गयी. समय देखा तो पांच बजने को थे और ये समय अन्नू के स्कूल से लौटने का था। मैंने उठकर वापस से वही गाउन पहन लिया और दरवाज़ा खोलकर अपनी बेटी को अपनी बांहों में लेकर अंदर आयी।

अन्नू के रूम में जाने के बाद मैंने सबके लिए चाय बनाई और फिर हम सबने खूब बातें की.

कुछ देर बाद अन्नू और रोहित टीवी देखने हॉल में चले गए और कमरे में मैं और रोहन ही थे।

मुझे इस विषय में बात करने के लिए इससे बेहतर समय नहीं मिल सकता था। मैंने रोहन से अपने मन की बात बता दी, कहा- मैं वाकयी देखना चाहती हूँ कि तुम दोनों क्या करते हो।

रोहन मेरी बात सुनकर बोला- मम्मी हम दोनों एक दूसरे को दोस्त से भी बढ़कर मानते हैं.

और आज रात मैं आपको हम दोनों के बीच क्या होता है, वो सब कुछ दिखाऊँगा और सुनाऊँगा भी।

मैंने कहा- कैसे ?

रोहन ने कहा- वो आप मुझ पर छोड़ दो. पापा साढ़े ग्यारह बजे तक सो जाते हैं. मैं आपको उसके बाद वीडियो कॉल करूँगा. आप बस कॉल पिक कर लेना और सब कुछ देखना और सुनना।

रोहन मेरे सामने ही उठा और अपने बैग से टेबलेट निकाला. और उसे उसने अपने बिस्तर के पीछे लगी हुई कांच की अलमारी में किताबों के बीच रख दिया.
फिर मुझसे कहा- मम्मी, यहाँ से आपको सब दिखाई भी देगा और सुनाई भी देगा।

मैंने रोहन की समझदारी की दाद देते हुए शाबाशी दी और फिर उठकर घर के काम करने लगी।

रात होने को आई तो रवि भी आफिस से वापस आ गए और फिर मैं रात के खाने की तैयारियाँ करने लगी।

रात को दस बजे तक हम सब लोग खाना खा कर फ्री हो गए. फिर ग्यारह बजे के आसपास सब लोग अपने अपने रूम में सोने चले गए।

मैं रूम में थोड़ा देर से पहुँची ताकि रवि सो जाए और मैं रोहन को वीडियो कॉल कर सकूँ और हुआ भी ऐसा ही।

मैं बैडरूम के अंदर कुर्सी पर बैठी हुई थी. तभी रोहन का वीडियो कॉल आया. उसने रोहित के बाथरूम जाते ही कॉल ऑन कर दिया और वापस से टेबलेट को वैसे ही सेट कर दिया।

तभी रोहित भी आकर रोहन के बगल में लेट गया. दोनों लड़के बॉक्सर में थे।
तभी रोहन ने बात स्टार्ट करते हुए कहा- रोहित ... मैंने जो मंगाया था, वो लाया है ?

रोहित- हाँ ... लाया हूँ.

इतना बोलकर रोहित ने अपने मोबाइल में कुछ खोजना शुरू कर दिया.

जब वो मिल गयी तो उसने रोहन को दिखाते हुए कहा- ये लो।

रोहन ने रोहित के मोबाइल को अपने हाथों में लेकर कहा- आहह यार ... दिन बना दिया तूने तो !

वो कोई फ़ोटो थी ... जब रोहन ने उसे ज़ूम किया तब मुझे हल्का सा दिखा कि वो किसी की नंगी तस्वीर है.

उसने एक के बाद एक कई तस्वीरें देखी और वापस रोहित को मोबाइल देते हुए कहा- मौसी तो बहुत मस्त दिखती हैं।

मुझे यह समझते देर नहीं लगी कि वो नंगी फ़ोटो मेरी बड़ी बहन पूजा की थी.

रोहन ने फिर रोहित से कहा- रोहित ... तूने अपनी और मेरी मम्मी दोनों को नंगा देखा है. दोनों में ज्यादा सेक्सी कौन है ?

मैं दोनों की बातों को बड़ी ही हैरानी से सुन रही थी और उनका लुत्फ उठा रही थी।

रोहित ने दो पल सोचते हुए कहा- वैसे तो सोनाली मौसी बहुत सेक्सी हैं. पर मेरी मम्मी का फिगर मौसी से ज्यादा है तो मम्मी भी कुछ कम नहीं हैं।

मेरी बड़ी बहन पूजा मुझसे दो साल बड़ी है और उसका शरीर मुझसे ज्यादा भरा और गदराया हुआ है. इसमें कोई शंका की बात नहीं थी कि रोहित बिल्कुल सही कह रहा था. मैंने भी कई बार पूजा दीदी को कपड़े बदलते हुए देखा था. उनके मम्मों मेरे स्तनों की तुलना

में काफी बड़े पर थोड़े लटके हुए हैं. जबकि मेरे बोबे कसे हुए पर उनसे थोड़े छोटे हैं।

रोहित का जवाब सुनकर रोहन ने उसे छेड़ते हुए कहा- हाय मम्मी के आशिक!

और दोनों हँसने लगे।

फिर रोहन ने अपने मोबाइल पर एक पोर्न लगाई और दोनों उसे देखने लगे. पोर्न देखते देखते दोनों ने बॉक्सर के ऊपर से ही एक दूसरे का लण्ड सहलाना शुरू कर दिया।

पोर्न खत्म होने के बाद रोहन ने अपना मोबाइल एक तरफ रख दिया। रोहित अभी भी लेटा हुआ था लेकिन रोहन उठ कर रोहित की टांगों के पास बैठ गया. फिर उसने एक एक करके रोहित के सभी कपड़े उतार दिए.

और आखिर में उसकी चड्डी उतारकर उसके खड़े लण्ड को भी आजाद कर दिया।

अब बारी रोहित की थी.

रोहित को नंगा कर रोहन उसके लण्ड की मुट्ठी मारते हुए खुद बिस्तर पर लेट गया. फिर रोहित भी उसी तरह रोहन के कपड़े उतारने लगा।

पर रोहन का बॉक्सर उतारते ही वो चौंक गया. क्योंकि उस समय रोहन मेरी दी हुई लाल पैंटी पहने हुए था. और उसके खड़े लण्ड का सुपारा पैंटी के ऊपर से बाहर निकला हुआ था. जैसा कि आप लोग जानते हैं कि पैंटी का साइज मर्दों की चड्डी से काफी छोटा होता है।

रोहित ने आश्चर्यचकित होते हुए रोहन से कहा- रोहन, ये तुम किसकी पैंटी पहने हो ?

रोहन ने कहा- आज मेरी चड्डी साफ नहीं थी तो मम्मी की पैंटी पहन ली है।

रोहित ने पूछा- क्या उन्हें पता है ?

तो रोहन ने उत्तर दिया- हाँ ... मम्मी ने ही दी है पहनने के लिए।

कुछ पल सोचने के बाद रोहित ने कहा- लगता है मौसी काफी घुली मिली हुई है तेरे साथ !
और फिर उस लाल पैंटी को रोहन की टांगों से खींचकर अलग कर दिया ।

रोहन को नंगा कर रोहित उसके ऊपर लेट गया. दोनों के नंगे जिस्म आपस में रगड़ खा रहे थे और उन दोनों के लण्ड भी एक दूसरे को ठोकर दे रहे थे. रोहन रोहित के नीचे था.

फिर दोनों ने एक दूसरे के चेहरे को चूमना शुरू कर दिया । फिर रोहित नीचे की तरफ होते हुए रोहन की छाती तक आया और उसके छोटे छोटे निप्पलों को चूसने लगा. साथ ही वो अपना लण्ड रोहन से लण्ड से रगड़ रहा था.

इस खेल में दोनों ठंडी ठंडी आहें भर रहे थे ।

कुछ देर बार रोहित रोहन के शरीर से अलग हो गया. अब रोहन उठा और उसने रोहित को अपने नीचे लेटाकर उसके शरीर से खेलना शुरू कर दिया. वो भी रोहित के निप्पल्स, उसके पेट को चूम रहा था ... साथ ही उसके लण्ड को भी हिला रहा था ।

फिर कुछ ऐसा हुआ जो कि मेरे लिए कल्पनामात्र ही हो सकती थी.

रोहित उठा, उसने रोहन को टांगें फैलाकर बिठा दिया और खुद उसकी टांगों के बीच आकर घुटनों के बल बैठ गया और झुककर रोहित के लण्ड को अपने मुंह में ले लिया ।

कैमरे से दृश्य कुछ ऐसा था कि रोहन अपनी टांगें फैलाये अपने हाथों को बिस्तर पर टिकाकर सीधा बैठा था. उसका चेहरा कैमरे के सामने था और रोहित के उठे हुए नितम्ब भी.

मैं रोहित को रोहन का लण्ड चूसते हुए तो नहीं देख पा रही थी पर जिस तरह से उसका मुंह ऊपर नीचे हो रहा था ; उससे तो यही लग रहा था ।

थोड़ी लण्ड चुसाई के बाद रोहन ने अपने हाथ से रोहित के सर को अपने लण्ड पर दबा दिया जिससे रोहन का लण्ड रोहित के गले तक घुस गया.

रोहित इसके लिए तैयार नहीं था ; उसने अपने मुंह से लण्ड को निकालते हुए जोर जोर से खाँसना शुरू कर दिया और रोहन से कहा- क्या कर रहे हो ये ... जितना जाएगा उतना ही तो मुँह में ले पाऊँगा !

रोहन ने कहा- सॉरी यार, मुझसे कंट्रोल नहीं हुआ ।

रोहित ने कहा- ठीक है ... हम दोनों ये काफी समय से करते आ रहे हैं ... पर तूने आज तक मेरा लण्ड नहीं चूसा ... और मैं तेरा लण्ड इसीलिए चूस लेता हूँ कि मुझे तेरा लण्ड बहुत सेक्सी लगता है. मैं ही नहीं किसी का भी मन कर जाए इसे चूसने का !

और वो फिर से रोहन का लण्ड चूसने लगा ।

उन दोनों की बातें सुनकर और उन्हें देख देख कर मैं भी उत्तेजित हो रही थी और मेरी चूत भी भीग रही थी. जिसका अंदाजा मुझे अपनी गीली पैंटी का स्पर्श पाकर हो रहा था.

रोहित द्वारा रोहन की लण्ड चुसाई देखकर मुझे भी रोहन के लण्ड की चुसाई याद आ गयी. 'आआ अअहह हहह ... रोहन का गोरा मोटा लण्ड ... गोरी चमड़ी से ढका हुआ उसका सुपारा और उस चमड़ी पर चमकती हुई हरी नसें'

जब रोहन का लण्ड पूरा खड़ा हो जाता था तो उसका सुपारा चारों तरफ से सफेद खाल से घिरा रहता था, बस थोड़ा ऊपरी हिस्सा ही नज़र आता था जो केवल चुदाई और चुसाई के समय ही बाहर निकलता था.

शायद रोहित सही कह रहा था कि कोई भी उसका लण्ड चूसना चाहेगा ।

कुछ देर बाद रोहित ने अपने मुंह से लण्ड को निकाला. दोनों लड़के उठ कर बैठ गए और

एक दूसरे के सामने घुटनों के बल खड़े होकर एक दूसरे की मुट्ठी मारने लगे.

दोनों के लण्ड एक दूसरे के सामने थे और तेजी से एक दूसरे की मुट्ठी मार रहे थे.

एकाएक रोहन ने झटकों के साथ झड़ना शुरू कर दिया. उसके वीर्य की धार लण्ड से निकलकर सीधे रोहित के पेट कमर के नीचे के हिस्से पर गिर रही थी. यहाँ तक कि वो अपने जिस हाथ से रोहित के लण्ड को सहला रहा था वो भी उसके खुद के वीर्य से गीला हो गया।

रोहन के गर्म वीर्य को अपने शरीर पर पाकर रोहित भी नहीं टिक पाया और उसके लण्ड ने भी अपना वीर्य उगल दिया. और उसने भी रोहन के शरीर को भिगा दिया.

दोनों के शरीर वीर्य से लथपथ थे. उनके वीर्य की कुछ बूंदें बेडशीट पर भी गिर गयी थी. पर वे दोनों इस बात से अनजान थे ... और मैं भी।

झड़ने के बाद दोनों अलग हो गए और उसी तरह बिस्तर पर पीठ के बल लेट गए.

कुछ देर बाद दोनों लोग उठकर बाथरूम जाने लगे.

रोहित के बाथरूम जाते ही रोहन ने कैमरे की तरफ फोन काटने का इशारा किया और वो भी बाथरूम की तरफ चला गया।

मैंने कॉल डिस्कनेक्ट करते हुए मोबाइल में समय देखा तो साढ़े बारह बजने को थे.

उन दोनों को देखकर मैं भी गर्म हो चुकी थी.

कमरे की लाइट बन्द थी तो मैं धीरे से सोफे से उठी और बिस्तर पर आकर बैठ गयी।

मैंने अपने गाउन की चैन खोलकर अपने गाउन को मम्मों तक नीचे किया. और अपने हाथ पीछे ले जाकर ब्रा के हुक को खोलते हुए उसे अपने शरीर से अलग कर दिया और वहीं पास

टेबल पर रख दिया और वापस से गाउन ठीक करके बिस्तर पर लेट गयी।

मुझे नींद नहीं आ रही थी और ऊपर से मेरे शरीर की गर्मी मुझे चुदाई के लिए उकसा रही थी.

मैंने सिर घुमा कर देखा तो मेरे पति रवि मेरी तरफ पीठ करके लेटे हुए थे. मैं सरक कर उनके पास गई और उनकी पीठ से चिपक कर सोने लगी.

मेरा हाथ उनके हाथों के ऊपर से होता हुआ उनकी छाती को छू रहा था।

मेरी नाक से निकलती हुई गर्म सांसें रवि की गर्दन पर पड़ रही थी और मेरे मम्मों उनकी पीठ पर दब रहे थे.

कुछ समय बाद जब रवि को इसका अहसास हुआ. तो उन्होंने मेरी तरफ करवट लेते हुए मेरी तरफ देखा और मुझे जागता हुआ पाकर मुझसे पूछा- क्या हुआ ... अभी तक जाग रही हो ?

मैंने कहा- कुछ नहीं ... बस नींद नहीं आ रही।

मेरी बात सुनकर उन्होंने मेरे सिर को उठाकर अपने एक हाथ को मेरे सिर के नीचे लगा दिया. और दूसरा हाथ गाउन के ऊपर से ही मेरी पीठ पर फेरने लगे और अपने होंठों से मेरी आँखों और माथे को चूमते हुए मुझसे बोले- कोई बात नहीं ... अभी आ जाएगी नींद।

रवि का इस तरह प्यार जताना मुझे काफी पसंद आया और मैंने प्रतिउत्तर में अपने होंठों से उनके होंठों को चूम लिया. मस्ती में उन्होंने भी वापस मेरे होंठों पर एक जोरदार चुम्बन दे दिया.

कुछ देर ऐसा ही चला. दोनों एक दूसरे को एक से बढ़कर एक चुम्बन दे रहे थे ... नींद तो मानो कब की गायब हो चुकी थी दोनों की।

फिर मैंने अपनी गाउन की चैन को अपने पेट तक पूरा खोल दिया. चैन खोलते ही मेरे मम्मे गाउन से बाहर आ गए. मैंने रवि का हाथ पकड़कर उसे अपने गाउन के अंदर अपनी कमर पर रख दिया।

रवि भी आगे का इशारा समझकर मेरी नंगी पीठ को सहलाने लगे. कभी वो मेरे उरोजों को दबाते ... कभी उनके निप्पल्स खींचते और उन्हें चूमते ... तो कभी मेरी नाभि की गहराई तक अपनी उंगली डालकर उसे कुरेदते।

इन सबके कारण मेरी हल्की उफफ ... हड़ईई की सीत्कार निकल रही थी. मेरा हाथ भी रवि के पेट से होता हुआ उनके पायजामे के अंदर उनकी चड्डी में चला गया. आआअअ अअअहह ... उनके खड़े लण्ड का स्पर्श पाकर मैंने उसे अपने हाथों में जकड़ लिया और उसे सहलाने लगी।

अब शायद आगे बढ़ने का समय आ चुका था. रवि उठकर बैठ गए ... उन्होंने अपने कपड़ों को उतारकर वही बिस्तर पर डाल दिये.

और फिर मेरे पति ने मेरे गाउन को मेरी टांगों से उठाना शुरू किया और मेरी कमर पर लाकर रुक गए.

फिर मेरी पैटी को भी मेरी टांगों से निकालकर अलग कर दिया।

स्थिति कुछ ऐसी थी कि मैं बिस्तर पर लेटी हुई थी ... कमर से नीचे तक बिल्कुल नंगी ; जिससे मेरी गोरी लम्बी टांगें और उसके बीच मेरी गीली चूत जिस पर हल्के हल्के रुई जैसे बाल ... ऊपर से मेरा गाउन वी शेष में खुला हुआ था जिससे मेरे मम्मे बाहर निकले हुए थे और नीचे नाभि तक आते आते मेरा गाउन बंद था।

रवि ने मेरी टांगों के पास आकर मेरी एक टांग उठाई और दूसरी टांग को फैलाकर दूर कर दी. मेरी उठी हुई टांग को अपने हाथों से पकड़कर दूसरे हाथ से अपना लण्ड मेरी चूत पर

लगाकर उसे अंदर करने लगे. कुछ ही सेकंड में मेरे पति मेरी चूत की गहराई में अपने पूरे लण्ड को उतार दिया।

रवि का लण्ड चूत में जाते ही मैं कराह उठी- आआ आहहह हह ... रवि ... ऊउफ़फ़!

अभी बस लण्ड घुसा ही था ; चुदाई तो शुरू भी नहीं हुई थी और मैं बिल्कुल पागल सी सिसकार रही थी.

मैंने अपनी आँखें बंद की और रवि के लण्ड पर अपनी चूत को दबाते हुए उन्हें चुदाई आरंभ करने का इशारा दिया।

बस फिर क्या था ... रवि के धक्के और मेरी सिसकारियां ... जितने तेज रवि के धक्के हो रहे थे, उतनी तेज मेरी सिसकारियां।

मेरा मुँह बन्द करने के लिए रवि ने अपना एक हाथ बिस्तर पर रखा और दूसरा हाथ मेरी टांग से उठाकर मेरी कमर पर रख दिया. इससे मेरी टांग उनकी दोनों बाजुओं के बीच कैद हो गयी और फिर नीचे झुककर मेरे होंठों को चूमते हुए अपने लण्ड को मेरी चूत के अंदर बाहर करने लगे।

हमारी जिह्वायें एक दूसरे के मुख को खंगाल रही थी और गीले होंठों की तपिश ... पुच पुच की आवाज़ें कर रही थी.

काफी देर की चुदाई के बाद मैं अपने होंठों को अलग करते हुए सिसकारती हुई बोली- आअह्ह ह्ह्ह ... हाए ... आअह्ह ... चोद दीजिये ... जोर से ... और जोर से ... उफ़फ़ ... मेरा भी निकलने वाला है ... हाए मारिये मेरी चूत ... ऐसे ही ... ऐसे ही ... हाँ!

एकाएक मैंने झड़ना शुरू कर दिया. मेरी रस की गर्मी और गीलापन ज्यादा देर तक रवि झेल नहीं पाए और जल्द ही वे भी झड़ने लगे- आआआ अह्हह ह्ह्ह ह्ह्हह ... मेरा भी

निकल रहा है ... मेरा भी निकल रहा है.

और मेरी चूत को अपने गर्म वीर्य की धाराओं से भरने लगे।

झड़ने के बाद रवि ने मेरी पैटी उठाई और पैटी को मेरी चूत के नीचे रखते हुए अपना लण्ड मेरी चूत से बाहर निकालने लगे।

वीर्य से भीगे लण्ड के निकलते ही मेरी चूत से रस का एक सैलाब बाहर आया. जिसे रवि ने पैटी से पौँछ कर साफ कर दिया और फिर अपने लण्ड को भी उसी पैटी के सूखे हिस्से से पौँछकर उसे जमीन पर डाल दिया।

रवि ने मेरा गाउन वापस से ठीक कर दिया. मैं लेटी हुई मुस्कुराती हुई ये सब देख रही थी..

और फिर रवि अपनी चड्डी पहनकर मुझे अपने सीने से लगाकर लेट गए.

कुछ देर बाद उनकी बांहों में लेटे ही मुझे नींद आ गयी।

आपको यह कहानी कैसी लगी ? आप अपने विचार और सुझाव मुझे भेज सकते हैं.

साथ ही लोकडाउन के इस समय आपने मेरी कहानी पढ़कर किस तरह एन्जॉय किया और क्या किया.

एक छोटे सा लेख लिखकर मुझे बतायें।

जो लेख अच्छा होगा उसे मैं अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करूँगी।

[Insta/sonaligupta678](https://www.instagram.com/sonaligupta678)

आप स्त्री हो या पुरुष अगर आप मेरी कहानियों पर कुछ कहना चाहते हैं तो मेल करने में बिल्कुल भी संकोच ना करें.

एक लेखक के लिये बस यही खुशी देने वाली बात होती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसकी कहानी पढ़ें और उस पर अपने विचार दें।

sizzlingsona45@gmail.com

Other stories you may be interested in

छोटे लंड वाले की बीवी-1

लेखक की पिछली अन्तर्वासना हिंदी स्टोरी : मेरी माँ की कामवासना मेरा नाम आयुष है और मैं ठाणे में काम करता हूँ. यह बात आज से लगभग डेढ़ साल पुरानी है. मैं कमाने लगा था और शादी की उम्र हो रही [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की भाभी सेक्स की चाह-3

मेरी इस सेक्स कहानी के पिछले भाग पड़ोस की भाभी सेक्स की चाह-2 में आपने जाना कि मैंने भाभी की पैंटी थोड़ी खींच दी थी. मेरे सामने उनकी चिकनी चुत लंड के लपलप कर रही थी. अब आगे पढ़ें कि [...]

[Full Story >>>](#)

कामवाली बाई की चुदाई

मेरी पिछली सेक्स कहानी कामवाली की कुंवारी बेटी की चुदाई में आपने पढ़ा कि कैसे मैंने अपनी कामवाली शांति बाई की सेक्सी बेटी की चुदाई की. स्वरा की चुदाई करते हुए तीन चार महीने हो गये थे. तभी एक दिन [...]

[Full Story >>>](#)

कामवाली की कुंवारी बेटी की चुदाई

लेखक की पिछली कहानी : पंजाबन भी चुद गयी 60 साल की उम्र में बैंक से रिटायर होने के बाद मैं सारा दिन घर पर ही रहता था जबकि मेरी पत्नी अभी कार्यरत थीं. शांति नामक महिला हमारे घर पर काम [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की भाभी सेक्स की चाह-1

लेखक की पिछली कहानी : मालिक की बेटी की कामवासना प्यारे दोस्तो, मैं बहुत दिनों से सोच रहा था कि आपके साथ अपने जीवन का भाभी सेक्स एक सच्चा किस्सा साझा करूँ. व्यस्तता के चलते कई बार लिखने का सोचा, मगर [...]

[Full Story >>>](#)

